नवदुनिया
(14-08-2014)

जान जोखिम में डाल पढ़ने की मजबूरी

बारिश में डोंगी से उफनती नदी पार करते हैं 40 छात्र

डिंडौरी(ब्यूरो)। शिक्षा का स्तर सुधारने के सरकारी दावे भले ही जो भी हों पर ज़िले के ग्राम पंचायत विदयपुर की ताजा तस्वीर इन्हें खोखला साबित कर रही है। यहां के छात्रों में पढ़ने-लिखने और आगे बढ़ने की खूब ललक है। लेकिन इन सबके बीच उफनाती नर्मदा एक बड़ा जोखिम है। यह जोखिम दिखता सभी को है लेकिन अफसरों और जनप्रतिनिधियों ने हर बार इसे अनदेखा किया। यही वजह रही कि गांव के 40 बच्चे हर रोज जान की बाजी लगाकर डोंगी के सहारे नदी पार कर पढ़ने जाते हैं।

खाम्ही-विदयपुर गांव नर्मदा नदी से तीन तरफ से घिरा है। गांव में कोई हायर सेकेंडरी विद्यालय है नहीं। छात्रों की समस्या को देखते हुए गांव के स्कूल के उन्नयन के लिए पिछले वर्ष प्रस्ताव तैयार किया गया था। लेकिन पूरा साल बीत गया और प्रस्ताव की फाइल धूल फांक रही है। खाम्ही और विदयपुर में अब भी माध्यमिक विद्यालय ही संचालित है।

डोंगी में बैठकर नदी पार करते स्कूली छात्र।

अध्ययन करने के लिए समीप ही रयपुरा हायर सेकेंडरी विद्यालय में प्रवेश लेना पड़ता है। वर्तमान सत्र में कक्षा नौ से ग्यारहवीं तक में 41 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। सभी डोंगी के सहारे नदी पार करके विद्यालय पहुंच रहे हैं। पिछले वर्ष जांच प्रतिवेदन अब भी अटका हुआ है, उस पर भी कोई अमल न होने से

“

मैं जानकारी लेता हूं। ऐसी स्थिति है तो खाम्ही-विदयपुर में ही माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन कराया जाएगा। वैकल्पिक व्यवस्था हो सकती है तो वो भी करने का प्रयास विभाग करेगा।

-एमएल पनरिया, सहायक आयुक्त, डिंडौरी